स्टालिन के बारे में माओ-हुजा

21 दिसंबर , 1964को स्टालिन की 85 वीं साल गिरह पर चीन की कम्युनिष्ट पार्टी की सीसी और अलबानीया की लेबर पार्टी की सीसी का संयुक्त वक्तव्य

21 दिसंबर , 1964

हम यहाँ चीन की कम्युनिष्ट पार्टी की सीसी और अलबानीया की लेबर पार्टी की सीसी का संयुक्त वक्तव्य दे रहें है जो 21 दिसंबर , 1964को स्टालिन की 85 वीं साल गिरह पर प्रचारित किया गया. जहाँ यह एक ऐसा दस्तावेज है जिसकी सोवियत संशोधनवाद के खिलाफ सीधे तौर पर किये गये वाद-विवाद में बड़ी अहमीयत है वहीं अन्तर्राष्टीय साम्यवादी आन्दोलनो में इसके बारे में काफी कम जानकारी है. लेखकों के बेरिया पर नकारात्मक टिप्प्णी और उनके द्वारा ये सुझाया जाना की जे. वी. स्टालिन को 'मार' डाला गया खास रुची के हैं. इस दस्तावेज को रोशनी मे लाने के लिये आल-यूनियन कम्युनिष्ट पार्टी के बड़े ही अभारी हैं.

स्टालिन के जन्मदिन सभी सच्चे क्मयुनिष्ट और देशभक्तों के लिये इंकलाबी उत्सव रहा है. ख्रुश्चेवाइट समुह ने सम्रज्यावाद और इसके दलाल टिटो गिरोह के साथ एक सौदा किया है, जिसमे साम्रज्यवाद के इण्टेलीजेंस सेवा के जरिये लम्बे समय मे तैयार किये गए जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर और अपने समय में अपने एजेण्ट-बेरिया को भेजकर कामरेड स्टालिन को बदनाम करने का फैसला लिया गाया है. यह तय करते हुए कि सीपीएसयु मे दरार डालना है, इस भीतर से ही कमजोर कर देने के लिए, अन्तर्राष्ट्रीय कम्युनिष्ट आन्दोलन को विभाजित कर देना के लिये, और युसएसएसआर के आर्थिक और समाजिक-राजनैतिक व्यवस्था को सिलसिलेवार तरीके से अध: पतन में भागीदारी करने का निर्णय लेकर, ख्रुस्चेववादीयों ने अपने स्टालिन विरोधी जाली दस्तावेजों को एक रिपोर्ट 'स्टालिन की व्यक्तिपुजा के दुष्परिणाम पर नियंत्रण के बारे में' का रुप देकर बीसवी कंग्रेस मे उसकी घोषणा की. यह रिपोर्ट अब तक युएसएसआर या क्रेमलिन के अनुचर देशओं मे प्रकाशित नही हुई है. हालाकि, इस रिपोर्ट का मुलपाठ समय पर, घोषणा के समय तक पश्चिम में ख्रुस्चेव का दाहिना हाथ बन चुके लोगो को सौपा जा चुका है, टीटो गिरोह को भी….

ख्रुस्चेव ने अभिलेखागर से बहुत सारे दस्तावेजो को गायब कर दिये, जो आवाम के छिपे हुए और खुले दुश्मनो की आतंकी गतिविधीयों में उनकी भागीदारी के सबुतो को दिखलाते है. ख्रुस्चेववादी आम गिरफतारी और सुचना के मुख्य संगठनकर्ता और प्रेरक थें, लेकिन वे पहले थें जिन्होने इन सब के इलजामो का ढेर अपने 'साथियों' पर लगाया- बेरिया और उसके बाद स्टालिन, जिसे इस डर से उन्हो ने मार डाला कि वे उन्हे गिरफतार करेगा और तबाह कर देगा- इसका मतलब दुरंगापन और गद्दारी …

चीन और अलबानीया के कम्युनिष्ट और दूनीया के सभी सच्चे क्मयुनिष्ट ने खुरस्चेववादी गिरोह को कंलकित किया है, जिन्होने स्टालिन के नाम और मकसद पर कीचड़ उछाला है, और उसके शरीर को बड़ी चालाकी से जनता की नजरो से बचाकर, इसे एक शर्म के बतौर लेते हुए लेनिन-स्टालिन के मकबरे से बाहर निकाल दिया. ख्रुश्चेव और उसका दाहिना हाथ बन चुके लोगो द्वारा की गई अपराधी कार्यवाईयों के दुरगामी अंजाम निकलेंगे, वे अधःपतन की राहो पर चल चुके हैं, और उसके बाद, युएसएसआर और सीपएसयु की तबाही की ओर ले जायेंगे…

ख्रुश्चेववादीयों के नेतृत्व के भीतर सोवियत युनीयन के भीतर नौकरशाही समाजिक-सम्रज्यवादी राज्य में तब्दिल होगा, और सीपीएसयु ऐसी अधिरचना का केवल नाम मात्र ही रह जाएगा, या ख्रुश्चेव की संशोधनवादी नीति सीपएसयु और युएसएसआर के पतन का मार्ग प्रशस्त करेगी, इसके गणतंत्र को उपनिवेश और पश्चिम साम्रज्यवाद के संरक्षको मे तब्दिल करने की ओर ले जाएगी. कमरेड स्टालिन ने पश्चिमी साम्रज्यवाद की इण्टेलिजेंस सेवा द्वारा तय किये कामो के अनुसार काम कर रहे भीतरी दुशमनो से जन्मे खतरो से देश और पार्टी को बार-बार चेतावनी दी है. आज, यह हकीकत बन गई है.

सीपीएसयु के मौजुदा सीसी के सशोंधनवादीयों द्वारा क्रेमलिन के भीतर सुनियोजित तख्ता पलट, यह दिखलाती है कि पार्टी और राज्य के भीतर सत्ता संघर्ष का भड़क उठी है. 'ख्रुश्चेव के बीना मगर खुश्चेव के रास्ते पर' –आज यह सशोंधनवादी और गद्दारो का नारा है, उद्देश्यपूर्ण तरीके से कमरेड स्टालिन के नाम, मकसद और वसीयत को बदनाम किया जा रहा है…..

सच्चे समाजवादी सोवियत युनीयन की पुनर्जीवन, और केवल एक सच्चे क्मयुनिष्ट पार्टी- स्टालिनवादीयों की पार्टी – के नेतृत्व में सर्वहारा समजवादी इंकलाब का रास्ता ही लेनिन-स्टालिन के मातृभूमी को पतन के गर्त में जाने से या इसे सामाजिक साम्राज्यवादी ताकत में तब्दिल हो जाने से रोक सकता है.

माओ त्से तुंग

अनवर हुजा

From the website ForBolshevismAUCPB@yahoogroups.co.uk

Revolutionary Democracy Vol. XII, No. 1, April 2006,

Translated from the English to Hindi by Kundan Kd.